

मेरे श्याम आ रहे हैं | By Sunita Goyal (Hansi)

झोंके ये हवाओं के पैगाम ला रहे हैं
आज तो मुझसे मिलने मेरे श्याम आ रहे हैं

महलो के वासी को कैसे कुटिया में बिठाऊँ मैं
दुनिया के मालिक को कैसे रूखा सूखा खिलाऊँ मैं
रूखा सूखा खिलाऊँ मैं

रह रह के मेरे दिल में ये खयाल आ रहे हैं
आज तो मुझसे मिलने मेरे श्याम आ रहे हैं

नरसी कर्मा मीरा जैसी मुझमे ना कोई बात है
फिर भी मेरे निवेदन पर आ रहे दीनानाथ हैं
आ रहे दीनानाथ हैं

आँखों में आँसुओं के सैलाब आ रहे हैं
आज तो मुझसे मिलने मेरे श्याम आ रहे हैं

अपने शुभ कदमों से भगवन कुटिया धन्य बनाएंगे
मुझ जैसे के मेहमान बन मेरा मान बढ़ाएंगे
मेरा मान बढ़ाएंगे.....

जन्मों के पुण्य मोहित मेरे काम आ रहे हैं
आज तो मुझसे मिलने मेरे श्याम आ रहे हैं

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%86-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-sunita-goyal-hansi/>